

ग्रसाधी रण

EXTRAORDINARY

भाग II---खण्ड 3---- उपलब्द (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ff)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं • 158

नई विल्ली, मंगलवार, मार्च, 21, 1972/चैत्र 1, 1894

No. 158]

NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 21, 1972/CHAITRA 1, 1894

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिस से कि यह ग्रेलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st March 1972

S.O. 216(E).—The following Order made by the President on the 21st March, 1972, is published for general information.—

THE NORTH-EASTERN ARE9AS REORGANISATION (REMOVAL OF DIFFICULTIES) ORDER NO. 1

In exercise of the powers conferred by section 87 of the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 (81 of 1971) and of all other powers hereunto enabling, I, V. V. Girl, President of India, hereby make the following Order, namely:—

- 1. (1) This Order may be called the North-Eastern Areas Reorganisation (Removal of Difficulties) Order No. 1.
 - (2) It shall come into force at once.

- 2. The election to be held in pursuance of section 12 of the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 (81 of 1971) (hereinafter referred to as the said Act) to fill the seat allotted in the Council of States to the State of Meghalaya shall be held in accordance with the provisions of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951) and the rules and orders made thereunder as if it were a bye-election to fill a casual vacancy in that House.
- 3. The election to be held to fill the seat allotted in the Council of States to the Union territory of Mizoram in pursuance of section 12 of the said Act by the electoral college for the Union territory under section 27A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), as amended by section 13 of the said Act and section 14 of the Government of Union Territories (Amendment) Act, 1971 (83 of 1971), shall be held in accordance with the provisions of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951) and the rules and orders made thereunder as if it were a bye-election to fill a casual vacancy in that House.

V. V. GIRI, President.

[No. 11/18/72-SE]

K. R. PRABHU, Jt. Secy.

गृह मंत्रालय

प्रधिस्चना

नई दिल्ली, 21 मार्ज, 1972

का॰ घा॰ 216(छ). ----राष्ट्रपति द्वारा डिनांक 21 मार्च, 1972 को बनाया गया निम्न-लिखित भादेश सर्वेसाधारण की सूचना के लिए भकाशित किया जाता है।

पूर्वीत्तर क्षेत्र (कठिनाइयों का निराकरण) ग्रावेश सं० 1

मैं, व॰ वें॰ गिरी, भारत कः राष्ट्रपति, पूर्वोत्तर क्षेत्र (पुनर्गठन) श्रधिनियम, 1971 (1971 का 81) की धारा 87 द्वारा प्रवत्त शक्तियों भौर इस में समर्थ बनाने वाली सभी भ्रन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा निम्नलिखित श्रादेश करता हं, भ्रथीत :—

- (1) इस व्यादेश का नाम पूर्वोत्तर क्षेत्र (कठिताइयों का निराकरण) भादेश संख्या
 होगा ।
 - (2) यह तुरन प्रभावी होगा।
- 2. पूर्वोत्तर क्षेत्र (पुनर्गठन) श्रिधिनियम, 1971 (1971 का 81) (जिसे इसमें इसके पण्चात् जक्त श्रिधिनियम कहा गया है) की धारा 12 के अनुसरण में मेघानय राज्य को आवंदित राज्य सभा के स्थान को भरने के लिए किया जाने वाला निर्वाचन, लोक प्रति धित्व ग्रिधिनियम, 1951 (1951 का 43) श्रीर तद्धीन बगाये गये नियमों श्रीर किए गए श्रादेशों के उपबन्धों के धनुसार किया जाएगा, मानो वह उस सदन में कोई श्राकस्मिक रिक्ति भरने के लिए उप-निर्वाचन हो।

3. उ. श्रिधिन मि श्री शारा 12 के श्रृत् ण में भिज्ञार मन राज्य क्षेत्र को श्रावंदित राज्य समा के स्थान को, उक्त श्रिधिनयम की धारा 13 और संघ राज्य क्षेत्र णामन (संशोधन) अधिनियम, 1971 (1971 का 83) की जारा 14 द्वारा यथा सं गिधित लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 27-क के श्रिधीन स सन्न राज्य क्षेत्र के लिये निर्वाचकगण द्वारा, भरने के लिए किया जाने वाला निर्वाचन, लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 43) श्रीर तद्धीन वनाए गए नियमों ग्रार किए गए आदेशों के उपवन्धों के श्रनुसार किया जाएगा, मानो वह उस सदन में कोई रिक्ति को भरने के लिए उप-निर्वाचन हो।

व॰ वें॰ गिरी, राष्ट्रपति

[सं० 1/18/72- ५० आर०] के० आर० प्रभु, संयुक्त सचिव।